प्रतिदर्श प्रश्नपत्र द्वितीय सत्र 2021-22

विषय- हिंदी 'ब'
कोड - 085
कक्षा - दसवीं

समय : 2 घंटे पूर्णांक - 40

सामान्य निर्देश :
* इस प्रश्न पत्र में कुल 2 खंड हैं - खंड 'क' और 'ख' ।
* खंड 'क' में कुल 3 प्रश्न हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए इनके उत्तर दीजिए।
*खंड 'ख' में कुल 5 प्रश्न हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए इनके उत्तर दीजिए।
*कुल प्रश्नों की संख्या 8 है।
*प्रत्येक प्रश्न को ध्यान पूर्वक पढ़ते हुए यथासंभव क्रमानुसार उत्तर लिखिए।

खंड - क

प्रश्न 1 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 से 30 शब्दों में दीजिए- (2×2=4 अंक)

(क) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में पर्वत द्वारा अपना प्रतिबिंब तालाब में देखना पर्वत के किन मनोभावों को स्पष्ट करना चाहता है?

(ख) 'कर चले हम फ़िदा' कविता और 'कारतूस' एकांकी के भावों की तुलना कीजिए । विश्लेषण करते हुए अपने मत के समर्थन में तर्क प्रस्तुत कीजिए ।

(ग) वज़ीर अली के जीवन का लक्ष्य अंग्रेज़ों को इस देश से बाहर करना था। 'कारतूस' पाठ के आधार पर कथन की सत्यता सिद्ध कीजिए।

प्रश्न 2 निम्नलिखित दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में दीजिए- (4×1 =4 अंक)

(क) मृगाक्षी एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में मैनेजर के पद पर आसीन है। श्रेष्ठ संचालन व बहुमुखी प्रतिभा की धनी होने के साथ ही बुद्धिमानी से तथ्यों को सुलझाने और सभी कार्यों को व्यवस्थित करने में उसका कोई सानी नहीं। वह रात-दिन काम में जुटी रहती है। कंपनी के स्तर को बढ़ाने के लिए सदैव प्रयासरत रहती है। कुछ दिनों से उसके सिर में दर्द रहने लगा है तथा नींद भी ठीक से नहीं आती है। ज़रा-ज़रा सी बात में चिड़चिड़ापन होता है तथा अक्सर उदासी उसे घेरे रहती है।

इसका क्या कारण हो सकता है? 'पतझर में टूटी पत्तियाँ' पाठ में 'झेन की देन' हमें जो सीख प्रदान करती है, क्या वह मृगाक्षी के लिए सही साबित हो सकती है? स्थिति का मूल्यांकन करते हुए अपने विचार लिखिए। (4 अंक)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अथवा

(ख) दुनिया भर में असहिष्णुता लगभग आम हो गई है। जाति, धर्म, रंग और वैचारिक रूप से भिन्न दृष्टिकोण रखने वाले लोगों के प्रति असहिष्णुता की घटनाएँ बढ़ती जा रही हैं। सहिष्णुता की परिभाषा पर विचार करें तो जिस विश्वास और प्रथा को हम पसंद नहीं करते उसमें बाधा डालने की बजाय संयम बरतना ही सहिष्णुता है।

कवि मैथिलीशरण गुप्त जी ने कहा, 'अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी।' इस पंक्ति की सार्थकता व वर्तमान समय में इसका औचित्य स्थापित कीजिए।

प्रश्न 3 पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन के किन्हीं तीन प्रश्नों में से दो के उत्तर दीजिए। (3 × 2=6)

(क) कल भी उनके यहाँ गया था, लेकिन न तो वह कल ही कुछ कह सके और न आज ही। दोनों दिन उनके पास मैं देर तक बैठा रहा, लेकिन उन्होंने कोई बातचीत नहीं की। जब उनकी तबीयत के बारे में पूछा तब उन्होंने सिर उठाकर एक बार मुझे देखा फिर सिर झुकाया तो दुबारा मेरी ओर नहीं देखा। हालाँकि उनकी एक ही नज़र बहुत कुछ कह गई। जिन यंत्रणाओं के बीच वह घिरे थे और जिस मनःस्थिति में जी रहे थे, उसमें आँखें ही बहुत कुछ कह देती हैं, मुँह खोलने की ज़रूरत नहीं पड़ती।

हरिहर काका की पंद्रह बीघे ज़मीन उनके लिए जी का जंजाल बन गई। कथन के आलोक में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ख) लेखक गुरदयाल सिंह अपने छात्र जीवन में छुट्टियों के काम को पूरा करने के लिए योजनाएँ तैयार करते थे । क्या आप की योजनाएँ लेखक की योजनाओं से मेल खाती हैं? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

(ग) वह तो जब डॉक्टर साहब की ज़मानत ज़ब्त हो गई तब घर में ज़रा सन्नाटा हुआ और टोपी ने देखा कि इम्तहान सिर पर खड़ा है।

वह पढ़ाई में जुट गया। परंतु ऐसे वातावरण में क्या कोई पढ़ सकता था? इसलिए उसका पास ही हो जाना बहुत था।

"वाह!" दादी बोलीं, "भगवान नज़रे-बद से बचाए। रफ़्तार अच्छी है। तीसरे बरस तीसरे दर्जे में पास तो हो गए।...."

टोपी ज़हीन होने के बावजूद कक्षा में दो बार फेल हो गया। जीवन में प्रतिकूल परिस्थितियों से हार मान लेना कहाँ तक उचित है*?* टोपी जैसे बच्चों के विषय में आपकी क्या राय है*?*

खंड - ख (लेखन)

प्रश्न **4** निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए - (6 अंक)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(क) आभासी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

- आरंभ कब और कैसे
-लाभ - हानि, सावधानियाँ
-स्थिति से सामंजस्य

(ख) क्यों आवश्यक है सहनशीलता
- सहनशीलता का अर्थ
-इसकी आवश्यकता
- नैतिक मूल्य एवं सुखद जीवन

(ग) मेरे सपनों का भारत
-कैसा है?
-क्या अपेक्षा है
-आपका कर्तव्य

प्रश्न 5 निम्नलिखित आप शौर्य /शारवी हैं। आपने अपने लिए ऑनलाइन पुस्तकें खरीदीं थीं । रुपये जमा हो गए परंतु पुस्तकें प्राप्त नहीं हो सकीं । इस बात की शिकायत करते हुए संबंधित अधिकारी को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। (5 अंक)

अथवा

आप सृष्टि/ सार्थक हैं। बंगलुरु से चेन्नई शताब्दी एक्सप्रेस में यात्रा करते समय आपका कीमती सामान वाला बैग जल्दबाजी में गाड़ी में ही रह गया। आपके द्वारा की गई शिकायत से आपको अपना बैग वापस मिल गया। प्रबंधन की प्रशंसा करते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

प्रश्न 6 (क) आप निवासी कल्याण संघ (रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन) के अध्यक्ष रमेश सुब्रमण्यम हैं। अपने क्षेत्र के मुख्य पार्क में आयोजित होने वाले योग- शिविर के विषय में जानकारी देते हुए लगभग 50 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए। (2.5 अंक)

आप साहित्य संघ की सचिव सुपोरना चक्रवर्ती हैं। आपके क. ख. ग. विद्यालय में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित होने वाली है। इसके लिए एक सूचना लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

(ख) आप कक्षा दसवीं के लिओनार्ड/ बर्नडैट हैं। विद्यालय के बॉस्केटबॉल मैदान में आपको एक घड़ी मिली है। इससे संबंधित सूचना विद्यालय के सूचनापट्ट के लिए तैयार कीजिए। जिससे घड़ी खोने वाला छात्र उसे प्राप्त कर सके। यह सूचना लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए। (2.5 अंक)

अथवा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

आप अपने विद्यालय में इको क्लब के अध्यक्ष हैं। पर्यावरण दिवस के लिए आप विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहते हैं । इको क्लब के सभी सदस्यों की सभा इसी संदर्भ में आयोजित करने के लिए विद्यालय के सूचनापट्ट के लिए एक सूचना-पत्र लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

प्रश्न 7 (क) स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सरकार की ओर से एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए। (2.5 अंक)

अथवा

आपके विद्यालय में एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है जिसमें हास्य कवि सुरेंद्र शर्मा जी विशेष अतिथि के रुप में आमंत्रित हैं । इसका प्रचार-प्रसार करने के लिए लगभग 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

(ख) आपके क्षेत्र में निवासी कल्याण संघ (रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) द्वारा एक पुस्तकालय तैयार किया गया है जिसमें प्रत्येक आयु वर्ग के लिए पुस्तकें उपलब्ध हैं। इसके प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। (2.5 अंक)

अथवा

आपकी कक्षा को विद्यालय के मेले के लिए हस्तनिर्मित सामग्री और चित्रों की प्रदर्शनी लगानी है। अपनी प्रदर्शनी के लिए लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

प्रश्न 8 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में लघुकथा लिखिए। (5 अंक)

परोपकार का परिणाम

अथवा

अपूर्व संतोष

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र, 2021-22

द्वितीय सत्र

विषय- हिंदी ' ब' (कोड-085)

कक्षा- 10 अंक योजना

निर्धारित समय - 2 घंटे **पूर्णांक – 40**

सामान्य निर्देश :

(1) अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।

(2) इस प्रश्नपत्र में वर्णनात्मक प्रश्न हैं। अत: अंक योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।

(3) यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दे, तो उसे अंक दिए जाएँ।

(4) मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

खंड-क (वर्णनात्मक प्रश्नों के संभावित संकेत)

प्रश्न 1(प्रश्नों के उत्तरों की शब्द-सीमा 25-30
शब्द) (2 ×2 =4 अंक)
(शब्द-सीमा का ध्यान रखते हुए उत्तरों में किन्हीं दो या तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)

उत्तर 1(क) पर्वत में मनुष्य की भाँति भावनाएँ हैं। तालाब या दर्पण एक संकेतक है कि पर्वत क्या महसूस कर रहा है। वह स्वयं को निहारकर अपने अंतर्निहित भावों को समझने का प्रयास करता है। विशाल आकार को देखकर गर्वित होता है और अपने ऊपर खिले फूलों की शोभा को देखकर प्रसन्न हो रहा है। (2 अंक)

(ख) 'कर चले हम फिदा' कविता और 'कारतूस' एकांकी में एक समान देशभक्ति का भाव निहित है। देश की एकता, अखंडता व सुरक्षा के लिए प्राण न्योछावर करने की भावना समाहित है। कविता में सैनिकों की कर्तव्य भावना का वर्णन है एवं एकांकी में वज़ीर अली के कारनामों से मातृभूमि के प्रति उसकी कर्तव्यनिष्ठा का पता चलता है। कविता और एकांकी पाठक के हृदय में देशभक्ति व कर्तव्य भावना को जगाती हैं। (2 अंक)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ग) जाँबाज वज़ीर अली अत्यंत साहसी, पीर तथा पराक्रमी था। वह अवध के नवाब आसिफउद्दौला का बेटा था। वह जब स्वयं अवध के तख्त पर बैठा था, तो केवल पाँच महीने के शासन में ही उसने अवध के दरवार को अंग्रेज़ी प्रभाव से पूर्णतया मुक्त कर दिया था। उसके अंग्रेज़ विरोधी कार्यों को देखते हुए अंग्रेज़ों ने अपने षड्यंत्रों द्वारा उसे तख्त से हटाकर उसके पिता के भाई सआदत अली को नवाव घोषित कर दिया था। वज़ीर अली ने ऐसी विषम परिस्थितियों से भी हार नहीं मानी तथा वह सदैव अंग्रेज़ो को खदेड़ने के लिए प्रयत्न करता रहा। वह लगातार अपने बहादुर सिपाहियों के साथ नेपाल की ओर बढ़ने का प्रयास कर रहा था ताकि वहाँ पहुँचकर वह अपनी शक्ति का विस्तार कर सके और अंग्रेज़ों को बाहर कर सके। (2 अंक)

प्रश्न 2 **दिए गए दो प्रश्नों में से कोई <u>एक</u> प्रश्न**
शब्द-सीमा 60-70 शब्द
(शब्द-सीमा का ध्यान रखते हुए उत्तरों में किन्हीं दो या तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)(4×1 =4 अंक)

उत्तर 2 (क) 'पतझर में टूटी पत्तियाँ' पाठ में 'झेन की देन' हमें जो सीख प्रदान करती है वह निश्चित रूप से मृगाक्षी के लिए सही साबित हो सकती है। झेन की देन में मानसिक रोग होने के विभिन्न कारणों में जीवन की अधिक रफ्तार, मानसिक तनाव, उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा आदि बताए गए हैं। अधिक से अधिक काम करना व कम समय में काम निपटाना ऐसे कारणों से ही मानसिक तनाव बढ़ जाता है। यह रफ्तार दिमाग को रुग्ण कर देती है। हम अकेलेपन के शिकार हो जाते हैं और स्वयं से बातें करते हैं, लगातार बड़बड़ाते रहते हैं। मृगाक्षी के साथ भी ऐसा ही हुआ और जीवन में संतुलन न होने से वह बीमार हो गई। झेन की देन में 'टी-सेरेमनी' के माध्यम से वर्तमान का महत्व एवं सुख-चैन व आराम की ज़िंदगी के विषय में बताया गया है। भूतकाल एवं भविष्यत काल के मिथ्या होने को समझकर सहजता से जीते हुए कर्मरत रहकर, तनावरहित होकर हम स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकते हैं।(4 अंक)

(ख) कवि मैथिलीशरण गुप्त ने अपनी कविता' मनुष्यता' के द्वारा मानव जाति को प्रेरित किया है। वे मानव को सहिष्णुता, परमार्थ, विश्वबंधुत्व करुणा, उदारता, धैर्य, सहयोग आदि गुणों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। अधीर होकर भाग्यहीन होने से अच्छा है कि हम धैर्यवान बनें। मेलजोल, प्रेम व सौहार्द की भावना परस्पर होनी चाहिए तथा वैचारिक भिन्नता को बढ़ने नहीं देना चाहिए। हमें अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए तथा ईश्वर की प्राप्ति के लिए विभिन्न मार्गों को एक करके पारस्परिक मतभेदों को भुला देना चाहिए तथा तर्कों से परे ईश्वर के एक पंथ पर आगे बढ़ना चाहिए। परमात्मा का अस्तित्व

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

सभी तर्कों से ऊपर है और हम सभी उनके अंश हैं। अतः इन सद्गुणों को अपनाते हुए मनुष्य को लोककल्याण पर बल देना चाहिए। (4 अंक)

प्रश्न 3 **दिए गए तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर**
शब्द-सीमा 40-50 शब्द (2 ×3=6)

(शब्द-सीमा का ध्यान रखते हुए उत्तरों में किन्हीं दो या तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)

उत्तर - 3 (क) हरिहर काका और लेखक के बीच बहुत ही मधुर एवं आत्मीय संबंध थे । लेखक गाँव में जिन लोगों का सम्मान करते थे हरिहर काका उनमें से एक थे। हरिहर काका की आँखों में लेखक ने उस दुख को देखा जो रिश्तों की गर्माहट के भावों को नकारता हुआ तथा पाँव पसारती हुई, स्वार्थ लिप्सा और धर्म की आड़ में फलने-फूलने का अवसर पा रही हिंसा प्रवृत्ति को उजागर करता है।
ठाकुरबारी के महंत एवं हरिहर काका के भाइयों का एकमात्र उद्देश्य हरिहर काका की पंद्रह बीघे ज़मीन को हथियाना था। इसके लिए उन्होंने कई तरह के हथकंडे अपनाए और हरिहर काका पर बहुत जुल्म और अत्याचार किए। उनके विश्वास को ठेस पहुँचाई। ठाकुरबारी के महंत ने ज़बरदस्ती सादे कागज़ पर अँगूठे के निशान लिए, उन्हें मारा-पीटा तथा हाथ पाँव और मुँह बाँधकर कमरे में बंद कर दिया। हरिहर के भाइयों ने भी ऐसा ही किया। भौतिक सुखों की होड़, रिश्तों की अहमियत को औपचारिकता और आडंबर का जामा पहनाना इत्यादि के कारण हरिहर की पंद्रह बीघे ज़मीन उनके लिए जी का जंजाल बन गई थी। (3 अंक)

(ख) लेखक अपने छात्र जीवन में स्कूल से छुट्टियों में मिले काम को पूरा करने के लिए तरह-तरह की योजनाएँ बनाया करते थे। जैसे- हिसाब के मास्टर जी द्वारा दिए गए दो सौ सवालों को पूरा करने के लिए रोज़ दस सवाल निकाले जाने पर बीस दिन में पूरे हो जाएँगे , लेकिन खेल-कूद में छुट्टियों भागने लगती, तो मास्टर जी की पिटाई का डर सताने लगता फिर लेखक रोज़ के पंद्रह सवाल पूरे करने की योजना बनाते , तब उसे छुट्टियां भी बहुत कम लगने लगती और दिन बहुत छोटे लगने लगते तथा स्कूल का भय भी बढ़ने लगता। ऐसे में लेखक पिटाई से डरने के बावजूद उन लोगों की भाँति बहादुर बनने की कल्पना करने लगते , जो छुट्टियों का काम पूरा करने की बजाय मास्टर जी से पिटाई खाना ही अधिक बेहतर समझते थे।

छात्र-छात्राएँ अपने मतानुसार अपनी योजनाओं का वर्णन करेंगे। (3 अंक)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ग) ज़हीन (बुद्धिमान) होने के बावजूद भी टोपी नौवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया। उसकी पारिवारिक परिस्थितियाँ उसकी पढ़ाई में बाधा उत्पन्न करती थीं। जब भी वह पढ़ने बैठता तो बड़े भाई या माँ को कोई काम याद आ जाता, जो सिर्फ़ वही कर सकता था। छोटा भाई उसकी कॉपियाँ खराब कर दिया करता था। दूसरे साल उसे टाइफाइड हो गया। डॉक्टर भृगु नारायण चुनाव के लिए खड़े हो गए और घर में चुनावी माहौल छा गया परंतु फिर उसने दृढ़निश्चय किया कि वह किसी भी तरह परीक्षा पास ज़रूर करेगा और उसने कर दिखाया। सच्ची लगन और दृढ़निश्चय से जो काम उसने तीसरे साल में किया उसे पहले साल में भी कि जा सकता था। परिस्थितियाँ सदैव हमारे अनुकूल नहीं होती परंतु उनका सामना करके कर्तव्यपथ पर बढ़कर ही हम लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। (3 अंक)

खंड-ख

प्रश्न 4 दिए गए तीन अनुच्छेदों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लेखन- (6 अंक)

भूमिका-	1 अंक
विषयवस्तु-	4 अंक
भाषा-	1 अंक

प्रश्न 5 पत्र लेखन (120 शब्द) (5 अंक)

आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ- 1अंक

विषय वस्तु - 3 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रश्न 6 सूचना लेखन (50 शब्द) (2×2.5=5 अंक)

क और ख प्रश्नों में दिए गए दो-दो विषयों में से एक-एक सूचना लगभग 50 शब्दों में

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(2.5 अंक की सूचना की जाँच के लिए अंक विभाजन)

औपचारिकताएँ - ½ अंक

विषयवस्तु - 1 ½ अंक

भाषा - ½ अंक

प्रश्न 7 विज्ञापन लेखन (2×2.5=5 अंक)

क और ख प्रश्नों में दिए गए दो-दो विषयों में से एक-एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में (2.5 अंक के विज्ञापन की जाँच के लिए अंक विभाजन)

विषयवस्तु-	1 अंक
प्रस्तुति-	1 अंक
भाषा -	1/2 अंक

प्रश्न 8 लघुकथा (5 अंक)

शब्द-सीमा लगभग 120 शब्द

विषयवस्तु-	2 अंक
प्रस्तुति-	2 अंक
भाषा -	1 अंक

.....

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in